साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें...
संपर्क करे- 9425156055

वर्ष-10 अंक-30 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 04 सितंबर 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

BNSS SECTION-175(3), पुलिस अधिकारी गलत जांच करे तो क्या कोर्ट में परिवाद दाखिल कर सकते हैं-

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

किसी भी पुलिस थाने में FIR- प्रथम सूचना प्रतिवेदन दर्ज हो जाने के बाद थाना प्रभारी दर्ज हुए आपराधिक प्रकरण की जांच करता है और जांच रिपोर्ट के साथ प्रकरण को अंतिम निराकरण के लिए सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करता है। आरोपी के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित करना इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर की जिम्मेदारी होती है। कई बार शिकायत सामने आती है कि पुलिस का इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर सही प्रकार से जांच नहीं कर रहा है। सवाल यह है कि ऐसी स्थिति में क्या पीड़ित पक्ष अथवा आरोपी (जो जांच से असंतुष्ट है) न्यायालय की शरण में जा सकता है और क्या न्यायालय चालान पेश होने से पहले पुलिस को इन्वेस्टिगेशन के मामले में कोई आदेश दे सकता है। आइए, जानते हैं- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा 175 की दण्ड परिभाषा (सरल भाषा में)-

1. कोई भी पुलिस थाने का स्थानीय थाना प्रभारी संज्ञेय अपराध में स्थानीय अधिकारिता रखने वाले न्यायालय या मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण कर सकता है।

2. ऐसे पुलिस अधिकारी जो किसी अपराध का विचारण के समय अन्वेषण कर रहा है उसके अन्वेषण कार्रवाई में किसी भी प्रकार का कोई प्रश्नगत नहीं किया जाएगा, अर्थात उसे किसी भी प्रकार से रोका नहीं जा सकता है।

3. लेकिन अगर कोई व्यक्ति जो आरोपी या पीड़ित हैं उसे पुलिस अधिकारी के अन्वेषण में लापरवाही लगती है, तब वह उस स्थानीय मजिस्ट्रेट या न्यायालय में परिवाद दायर कर सकता है जाँच करवाने के लिए। एवं न्यायालय ऐसे परिवाद (शिकायत) का संज्ञान ले सकता है, एवं अपने स्तर से किसी भी अधिकारी से विचारण के अपराध की जांच करवा सकता है या अन्वेषण कर रहे पुलिस अधिकारी को स्पष्ट, सत्य एवं जल्दी अन्वेषण करने के आदेश दे सकता है।

नोट - भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा 175 की उपधारा 03 कहती है कि जब मजिस्ट्रेट के समक्ष परिवाद दाखिल किया जाता है तो मजिस्ट्रेट परिवाद पर या तो संज्ञान लेगा एवं धारा 175(3) के अन्तर्गत अन्वेषण का आदेश करेगा एवं 175(3) के अन्तर्गत अन्वेषण का आदेश प्राप्त होने पर पुलिस अधिकारी एफ़आईआर दर्ज करने के उपरान्त अन्वेषण प्रारम्भ करेगा। इस प्रकार एक परिवाद प्रथम सूचना रिपोर्ट में परिवर्तित हो जाता है।

देश में तेजी से हो रहा धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन का विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को गुजरात की देवभूमि द्वारका के पावन द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक भगवान श्री द्वारकाधीश के अलौकिक रूप का दर्शन एवं विधि-विधान से पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान द्वारकाधीश से सभी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी से पहले देश-प्रदेशवासियों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर्व के हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव एवं अन्य परिजनों सहित सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय के डॉ. इलैया राजा टी. भी उपस्थित थे।

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर के बाहर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज वे सपरिवार द्वारिका आये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के उज्जैन और गुजरात की द्वारिका नगरी सहित देशभर में लगातार धार्मिक पर्यटन के नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। उज्जैन में श्री

महाकाल लोक के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या 20 गुना बढ़ गई है। वर्तमान में लगभग 10 करोड़ से अधिक तीर्थ यात्री उज्जैन आ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से उज्जैन में बाबा महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद बनारस में भी काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर का निर्माण हुआ, जिससे बाबा विश्वनाथ की नगरी में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली हैं। जन्माष्टमी से पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन का मिला सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वारकाधीश मंदिर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित सनातन संस्कृति के चार धामों में से एक प्रमुख तीर्थ है। जन्माष्टमी से ठीक पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के भव्य दर्शन का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ समय पहले ही वे सोमनाथ धाम गये थे। इसके बाद आज द्वारका के प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में विधिवत् दर्शन-पूजन-अर्चन कर यहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। हम भी अपने देवस्थानों में बेहतर से बेहतर प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रहीं सुगम व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लगातार धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

MADHYA PRADESH - में अनुसूचित जनजाति वर्ग के सदस्यों की भूमि खरीदने के क्या नियम है, जानिए

यह तो सभी आम लोग जानते हैं कि किसी आदिवासी की जमीन खरीदने से पहले हमें जिला कलेक्टर लेवल के अधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक है वरना हमारे द्वारा ली गई जमीन अवैध खरीदी के अंतर्गत आती है। आज हम आपको इसकी सम्पूर्ण जानकारी कानूनी भाषा में देंगे जानिए।

मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 की धारा 165 की उपधारा 06 की परिभाषा

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

* कोई भी गैर आदिवासी व्यक्ति किसी भी आदिवासी समुदाय की जमीन को खरीदने से पहले कलेक्टर की अनुमति लेगा। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो उसके द्वारा किया गया नामांतरण अवैध मना जाएगा।

* अगर कलेक्टर को लगता है कि किसी आदिवासी ने अपनी जमीन बिना उसकी अनुमति के बेच दी है तब कलेक्टर स्वयं के विवेक ऐसी नामांतरण संपति की जाँच तीन वर्ष के भीतर कर सकता है जाँच की सुनवाई के समय कलेक्टर दोनो पक्षो को सुनेगा (धारा 165 उपधारा 06 (ख))।

* जाँच में कलेक्टर सबसे पहले यह देखेगा कि जिस व्यक्ति की संपत्ति नामांतरण की गई है वह आदिवासी समुदाय का है या नहीं, या आदिवासी को दिया गया प्रतिफल पर्याप्त है या नही, या आदिवासी से जमीन झूठ बोलकर, बेईमानी, या कपट द्वारा तो नामांतरण तो नहीं की गई है।

नोट- मध्यप्रदेश भू-संहिता आदिवासी जमीन में पट्टा नहीं आता है

डर्मोस्कोपी पर सीएमई आयोजित, त्वचा रोगों की पहचान व इलाज में आधुनिक तकनीक पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

एम्स भोपाल के त्वचा रोग विभाग ने ÷दैनिक चिकित्सा अभ्यास में डर्मोस्कोपी÷ विषय पर सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें करीब 100 चिकित्सकों और चिकित्सा विद्यार्थियों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि डर्मोस्कोपी की मदद से त्वचा के उन छोटे बदलावों को भी करीब से देखा जा सकता है, जो सामान्य आंखों से आसानी से दिखाई नहीं देते। इससे त्वचा रोगों की पहचान और उपचार की योजना बनाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में त्वचा पर अधिक या कम रंगत, सूजन वाले रोग, नाखूनों की समस्याएं, बाल झड़ने की अलग-अलग स्थितियां तथा कैंसर से पहले और कैंसरकारी त्वचा रोगों की पहचान में डर्मोस्कोपी के उपयोग पर चर्चा हुई। डॉ. पायल चौहान, डॉ. सौमिल खरे और डॉ. ऋति दीवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। ÷दैनिक चिकित्सा अभ्यास में डर्मोस्कोपी का समावेशन÷ विषय पर विशेषज्ञ पैनल चर्चा भी हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर डॉ. रजनीश जोशी (डीन एकेडमिक्स, एम्स भोपाल) और डॉ. नितिन पंड्या (अध्यक्ष, आईएडीवीएल मध्य प्रदेश स्टेट ब्रांच) ने किया। डॉ. प्रशंसा जायसवाल (आयोजन अध्यक्ष) और डॉ. मनीष खंडारे (आयोजन सचिव) ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

ग्राम पंचायत कुदरी में संत रविदास जी की 650वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, विधायक शरद जुगलाल कोल ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

?कुदरी (शहडोल)। ग्राम पंचायत कुदरी में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में %राष्ट्रव्यापी समरसता संकल्प अभियान% का भव्य आयोजन अत्यंत गरिमा व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर सामाजिक समरसता, समानता और बंधुत्व के संदेश को आत्मसात करने के लिए क्षेत्रभर से भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ पड़ा। ?कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल उपस्थित रहे। मंच से ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक श्री कोल ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने जात-पात और भेदभाव से परे उठकर मानवता को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उनके द्वारा दिखाए गए समानता के मार्ग पर चलकर ही सशक्त और समरस समाज का निर्माण संभव है। ?ग्रामीणों और मातृशक्ति में दिखा भारी उत्साह आयोजन स्थल पर कुदरी सहित आसपास के गांवों से पहुंचे युवाओं, बुजुर्गों और मातृशक्ति की मौजूदगी से माहौल भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना रहा। पूरा परिसर श्रद्धालुओं और नागरिकों की भीड़ से खचाखच भरा रहा। सभी उपस्थितजनों ने संत रविदास जी के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

प्रमुख जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, जिला महामंत्री पुष्पेंद्र पटेल, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष कमल खटीक, मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, करकी मंडल अध्यक्ष रामप्रसाद त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष नंदलाल नापित, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष अरुण अहिरवार, पुष्पेंद्र त्रिपाठी, (सरपंच) चंद्रवती सिंह, रामप्रसाद सिंह एवं सुभाष बहेलिया सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य नागरिक मंच पर उपस्थित रहे। ?सभा के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

एम्स भोपाल में व्हाट्सऐप स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की अब व्हाट्सऐप पर मिलेंगी कई जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

एम्स भोपाल ने ÷एम्स भोपाल व्हाट्सऐप स्वास्थ्य सेवाएं÷ शुरू की है। इसके माध्यम से मरीज व्हाट्सऐप पर ही कई जरूरी अस्पताल सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। मरीज घर बैठे बाह्य रोगी विभाग की नियुक्ति ले सकेंगे, आभा पहचान संख्या बना या जोड़ सकेंगे और प्रयोगशाला व अन्य जांच रिपोर्ट देख तथा डाउनलोड कर सकेंगे। अस्पताल से छुट्टी का सारांश तथा अस्पताल द्वारा जारी जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र भी व्हाट्सऐप के माध्यम से प्राप्त और डाउनलोड किए जा सकेंगे। बाह्य रोगी विभाग और अन्य मरीज सेवा सुविधाओं की जानकारी भी व्हाट्सऐप पर उपलब्ध होगी। उपलब्ध डिजिटल सेवाओं का लाभ चौबीसों घंटे और सातों दिन लिया जा सकेगा। इस पहल से अनावश्यक अस्पताल आने, लंबी कतारों और प्रतीक्षा समय को कम करने तथा मरीजों के लिए सेवाओं को सरल, तेज, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। यह सेवा कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) नरेन्द्र कोतवाल (रि) के निर्देशन में शुरू की गई है।

एम्स में नौं महीने के शिशु के दोनों कानों में सफल कॉक्लियर प्रत्यारोपण, मध्य भारत में सबसे कम उम्र का मामला

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

मध्यप्रदेश

एम्स भोपाल में 9 माह के बच्चे के दोनों कानों में एक साथ सफल कॉक्लियर प्रत्यारोपण किया गया। उपचार करने वाली टीम के अनुसार, यह मध्य भारत में कॉक्लियर प्रत्यारोपण पाने वाला सबसे कम उम्र का बच्चा है। बच्चे का जन्म समय से पहले हुआ था, वह एक माह से अधिक समय तक नवजात गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती रहा था और उसे मस्तिष्क ज्वर भी हुआ था। इस कारण समय पर उपचार करना बहुत जरूरी था। सर्जरी में नवीनतम कॉक्लियर प्रत्यारोपण तकनीक और स्मार्टनैव निगरानी प्रणाली का उपयोग किया गया, जिससे चिकित्सकों को इलेक्ट्रोड लगाने की प्रक्रिया की तुरंत जानकारी मिलती रही और उसे सही स्थान पर लगाने में मदद मिली। सर्जरी एम्स भोपाल के नाक, कान एवं गला विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) विकास गुप्ता और डॉ. गणकल्याण बहेरा ने की। टीम में डॉ. रिम्शा खान (वरिष्ठ रेजिडेंट),

डॉ. ट्विशा चटर्जी (कनिष्ठ रेजिडेंट),सनी खुराना (ऑडियोलॉजिस्ट), डॉ. ज़ैनब अहमद, डॉ. मणि, डॉ. आकृति (एनेस्थीसिया विभाग) तथा नर्सिंग टीम के राजाराम और बृजपाल शामिल रहे।

श्रमिकों का कल्याण केवल जिम्मेदारी के अलावा मध्यप्रदेश के समावेशी और सशक्त विकास की आधारशिला

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल संभाग के सभी जिलों के श्रम विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्रम विभाग श्रमिकों और उनके परिवारों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण, आवश्यक सुविधाएँ और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। हर श्रमिक को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन का अवसर मिले इसके लिए सभी जिलों में श्रमिकों के प्रधानमंत्री श्रममान धन योजना अंतर्गत बीमा करवाएं। और श्रमयोगी मानधन योजना से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं आशा कार्यकर्ता सहित असंगठित श्रमिकों को भी अभियान चलाकर इससे लाभान्वित किया जाए।संभागायुक्त ने सभी जिलों के संबल 2.0 पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि श्रम विभाग मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में ब्लॉक स्तर पर प्रकरणों पर कार्रवाई करें। इसके लिए सभी जिलों में स्पेशल ड्राइव चलाई जाए। ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर परीक्षण कर लक्ष्य बनाकर तय समय- सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। श्रम विभाग की समीक्षा बैठक में संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने रायसेन जिले के अधिकारी द्वारा विभागीय योजनाओं में शिथिलता बरतने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि संभागीय अधिकारी लक्ष्य के अनुरूप संबल 2.0 एवं सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर श्रम विभाग की लंबित प्रकरणों के निराकरण की विशेष रणनीति बनाकर प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। प्रतिदिन माइक्रो प्लानिंग के साथ कार्य करने से प्रगति के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सीहोर : शाहगंज में 8 सितंबर को रोजगार मेला, 1900+ पदों पर भर्ती

सीहोर।

युवाओं को रोजगार देने के लिए 8 सितंबर को शासकीय महाविद्यालय, शाहगंज में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन होगा। समय सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा।

जिला रोजगार कार्यालय और ITI सीहोर द्वारा आयोजित इस मेले में वाल्वो आयशर, बंधन बैंक, ट्राइडेंट, वर्धमान, SBI क्रेडिट कार्ड सहित 17 बड़ी कंपनियां 1900 से अधिक पदों पर भर्ती करेंगी।

पद - असिस्टेंट मैनेजर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्स ऑफिसर, इंजीनियर, ॥क्र टेली-कॉलर, नर्स, टीचर सहित कई पद।

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला

जिला रोजगार कार्यालय, सीहोर

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, सीहोर, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सीहोर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08/09/2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय महाविद्यालय शाहगंज, जिला सीहोर में युवा संगम, रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आकांक्षी युवक/युवतियों की भर्ती हेतु निम्न कम्पनियों द्वारा 1500 से अधिक पदों पर प्राथमिक रूप से निःशुल्क चयन की प्रक्रिया करेंगे जिसका विवरण निम्नानुसार है।

S.N	Company Name	Zone	Qualification	Post name	Monthly Salary
1	VOLVO EICHER	Bhopal	ITI/Diploma/BE/12	Apprenticeship	12k – 14K
2	Inspros Engineering	Mandideep	BSc Chemistry /Graduate	Chemist/Computer Operator	14k – 15K
3	Trident Pvt. Ltd.	MP	ITI/12/Graduate	Operator	12k – 16
4	Vardhman Textile Ltd	MP	ITI/12/Graduate	Operator	13k – 13K
5	Parmali Wallace Pvt. Ltd.	Bhopal	ITI/12/Graduate	Operator	12k – 16K
6	Impression Furniture	Mandideep	ITI/Diploma	Operator	15K
7	Magnum Group	Bhopal	Graduate/PG/COPA	Executive	15k + Inc.
8	Bharti Axa Life Insurance	Bhopal, Indore	Fresher / Exp.	Marketing / Backend Officer	12k – 16K
9	Technotask	Bhopal	Graduate/PG/COPA	Executive	10K – 25K
10	The National Financial Services	Bhopal, Indore	Fresher / Exp.	Marketing / Trainer / Recruiter	12k – 20K
11	HDB Financial Services	Bhopal, Indore	Fresher / Exp.	Relationship Officer	12k – 1[illegible]
12	Bandhan Bank	Bhopal/Bilaspur	Experience – 1-3 yrs	Front Office Executive	12k – 23K
13	Bharat Agro Link	Bhopal	Graduate / BSC AG	Jr Sales Executive	15000
14	Pukhraj Healthcare Pvt. Ltd.	Sehore, Bhopal	12/Graduate	Wellness Advisor	12k – 20K
15	ITC Mission Pratham Education	MP	10/12/Graduation	Trainer, Operator, Nurse	12k – 1[illegible]
16	Freedom Employability Academy	Sehore	Graduation/PG	English Teacher	14k
17	NIIT Bhopal	MP	Graduation	Assistant Manager	30k 35K

आकांक्षी युवक/युवतियां अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता संबंधित प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, आई डी प्रूफ एवं 02 पासपोर्ट सहित रोजगार मेला स्थल पर उपस्थित हों।

पंजीयन हेतु QR कोड को स्कैन करें।

योग्यता - 10वीं, 12वीं, ITI, डिप्लोमा, ग्रेजुएट, PGD फ्रेशर और अनुभवी दोनों।

वेतन - 12 हजार से 35 हजार तक।

भर्ती निःशुल्क है।

अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, ID प्रूफ और फोटो के साथ आएं।

मेले में जिला चिकित्सालय द्वारा युवाओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण (हीमोग्लोबिन, ब्लड, ब्लड) और काउंसलिंग भी की जाएगी।

श्यामपुर (सीहोर) में अहिरवार समाज संघ, मप्र का विशाल सम्मेलन 06 सितंबर 2026 को होगा संपन्न

भोपाल/सीहोर। अहिरवार समाज संघ, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में 06 सितंबर 2026, दिन रविवार को जिला सीहोर के श्यामपुर में एक विशाल सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता, शिक्षा जागरूकता और समाज के संवैधानिक अधिकारों को लेकर सामूहिक चर्चा। संगठन के प्रदेश प्रवक्ता

अतर सिंह भारतीय ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश भर से समाज के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

समयः प्रातः 11ः00 बजे से

स्थानः श्यामपुर, जिला - सीहोर (म.प्र.)

सभी समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील है।

निवेदकः अतर सिंह भारतीय

प्रदेश प्रवक्ता, अहिरवार समाज संघ, म.प्र.

मोबाइलः 8109583277

नर्मदापुरमः शासकीय विधि महाविद्यालय में श्रद्धा और उत्साह से मनी बलराम जयंती

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में आज प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन और अध्यक्षता में बलराम जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बलराम श्रम, कृषि और किसान संस्कृति के प्रतीक हैं। उनका हल हमें भूमि से जुड़कर परिश्रम, उत्पादन और समाज के कल्याण का संदेश देता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि ÷सबै भूमि गोपाल की÷ अर्थात् भूमि समस्त प्राणियों के लिए जीवन का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को कृषि और किसान के महत्व को समझने तथा श्रम के प्रति सम्मान का भाव विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ÷कृषि ही करो÷ का संदेश हमें आत्मनिर्भरता और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक राजदीप सिंह भदौरिया ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्तदान कर अमन तिवारी ने बचाई सुरेंद्र कुशवाहा की जान, रात 2 बजे पहुंचकर दिया जीवनदायी रक्त

कैलाश कुमार अहिरवार- सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल। मानवता और सेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम तगावर निवासी सुरेंद्र कुशवाहा सड़क दुर्घटना के बाद गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज, शहडोल में उपचाररत थे। चिकित्सकों द्वारा उनके ऑपरेशन के लिए तत्काल रक्त की आवश्यकता बताई गई। रक्त की अत्यंत आवश्यकता की जानकारी मिलने पर अमन तिवारी ने बिना समय गंवाए देर रात लगभग 2 बजे मेडिकल कॉलेज शहडोल (ब्लड बैंक) पहुंचकर रक्तदान किया। उनके द्वारा समय पर किए गए रक्तदान से सुरेंद्र कुशवाहा के उपचार एवं आवश्यक ऑपरेशन का मार्ग प्रशस्त हुआ। रात्रि के कठिन समय में बिना किसी स्वार्थ के अस्पताल पहुंचकर रक्तदान करना अमन तिवारी की मानवीय संवेदनशीलता, सेवा भावना और समाज के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाता है। इस अवसर पर परिजनों ने अमन तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में उनके द्वारा की गई यह मदद परिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही। अमन तिवारी ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन देने का माध्यम है। जब किसी की जान बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता हो, तो हमें समय और परिस्थितियों की परवाह किए बिना आगे आना चाहिए। समाज के युवाओं से भी अपील की गई कि वे नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आएं।

÷रक्तदान - महादान, किसी के जीवन की मुस्कान।÷

उदयपुरा में सड़क हादसाः कार की टक्कर से 57 वर्षीय महिला की मौत, पुलिस ने दर्ज किया मामला

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। उदयपुरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में 57 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार मुलिया अहिरवार, पत्नी रमेश अहिरवार, निवासी वार्ड क्रमांक 10 उदयपुरा, अपने पति के साथ पैदल उदयपुरा आ रही थीं।

1 सितंबर 2026 की शाम करीब 5ः30 बजे रास्ते में पीछे से आ रही एक कार ने मुलिया अहिरवार को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों द्वारा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद आगे रेफर किया।

उपचार के दौरान महिला की मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर उदयपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे में शामिल वाहन और घटना के संबंध में आगे जांच कर रही है।

बमोरिया परिवार अहिरवार समाज के समाजसेवी स्व. रामलाल के उपरांत श्रद्धांजलि सभा कर मृत्युभोज का किया बहिष्कार

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

सोहागपुर / नर्मदापुरम । विगत दिनें अहिरवार समाज के समर्पित समाजसेवी स्व. रामलाल बमोरिया जी का हृदय गति रुक जाने पर परिनिर्वाण हुआ। जिनकी सेवा, कुरीति, पाखंडवाद के विरोध की विचारधारा एवं फूले अम्बेडकर के मिशन पर आजीवन सेवाओं को देखते हुए उनकी सोच पर ही रसोई जैसे काम की पाबंदी उनके परिवार जनों ने करते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम सोहागपुर रेलवे स्टेशन के पास देनवा गार्डन में किया। जिसमें समाज के लोगों का उमड़ा जनसैलाब समाज के सैकड़ों नागरिकों ने जाकर श्रद्धेय बाबू स्व. रामलाल बमोरिया के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

जिला होशंगाबाद, नरसिंहपुर, रायसेन, सीहोर और भोपाल तक से श्रद्धेय बाबू जी को नमन करते हेतु समाज के बुद्धिजीवी, समाजसेवी व पत्रकारों ने भी बाबू जी को नमन किया। अहिरवार समाज जिला होशंगाबाद केअध्यक्ष रमेश बामने, अहिरवार समाज संघ के संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया, बृजेश आर्य,रामगोपाल बारुआ,बाबू जी की बेटी उषा टिकैत,संगीता गोलिया,धनसिंह अहिरवार, कामता प्रसाद चौहान, मूलचन्द मेधोनिया

अहिरवार समाज के महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र ने शहीद परिवार की ओर से श्रद्धांजलि सभा में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। समाज बहिनें, कर्मचारीगण और बौद्ध धम्म संगोष्ठी पिपरिया के सभी टीम के साथीयों ने बाबू जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किये मौन श्रद्धांजलि, बौद्ध वंदना की। बाबू के छोटे भाई सी.एल. बौद्ध एवं उनके दामाद राजू टिकैत ने समाज के सभी नागरिकों ने बाबू की श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आने वाले सभी का सादर आभार व्यक्त किया। शोक सभा उपरांत बौद्ध धम्म प्रसादी वितरित किया। समाज के नागरिकों ने मृत्यु भोज न करने पर बमोरिया परिवार के साहसी फैसलें की सराहना की। समाज के वरिष्ठ लोगों ने निर्णय लिया है कि अब समाज के लिए मृत्यु भोज जैसे फिजूल खर्ची का बड़ा कार्यक्रम न करते हुए कम खर्च में मृतकों को केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम करके ही रिवाज को मिटाया जा सकता है। तथा यदि परिवार के पास जो पैसे का बचाव होता है तो वह अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई में लगाकर समाज को मजबूत किया जाये।

नर्मदापुरमः पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में NSS ने मनाया हरियाली महोत्सव, छात्रों ने लिया एक पौधा लगाने का संकल्प

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली महोत्सव के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. रामकुमार चौकसे के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ईरा वर्मा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान ÷हरियाली बढ़ाओ - पर्यावरण बचाओ÷ अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत प्रत्येक छात्र द्वारा एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लिया गया। साथ ही ÷घर-घर पौधे लगाओ - पर्यावरण बचाओ÷ अभियान के अंतर्गत ह्स्स् स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाएं।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय अत्यंत कठिन है। बढ़ता

तापमान, अत्यधिक गर्मी, बारिश की कमी और सूखे जैसी स्थिति के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है। हमें आज जागना होगा और घर-घर, जगह-जगह वृक्ष लगाना होगा तभी हम अपने पर्यावरण, प्रकृति, जंगल और जीवन को बचा सकेंगे। इसके लिए एकजुट होकर सामूहिक और सतत प्रयास करने होंगे। युवाओं को पौधारोपण में आगे आकर सहयोग करना होगा, क्योंकि हरियाली का विकास करना प्रत्येक मानव का परम धर्म है।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं सत्यम राजपूत, मोनिका चौहान, सेजल, पायल, महक, रितिका, आरती, संगीता, किरण, मनीष, अभिषेक, संतोष, राजेश, घनश्याम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वयंसेवकों ने सभी विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्रत्येक सप्ताह पौधरोपण कर महाविद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने में योगदान दें।

युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
खबरें आपके शहर की... विश्वास हमारा

गया प्रसाद अहिरवार बने मध्यप्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

गया प्रसाद अहिरवार
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
मध्यप्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा में संगठनात्मक नियुक्ति करते हुए गया प्रसाद अहिरवार को मध्यप्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री भगवान सिंह परमार जी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री हेमंत खंडेलवाल जी की सहमति से की गई है।

श्री भगवान सिंह परमार जी
प्रदेश अध्यक्ष
अनुसूचित जाति मोर्चा, म.प्र.

माननीय हेमंत खंडेलवाल जी
प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, म.प्र.

गया प्रसाद अहिरवार की नियुक्ति से उनके समर्थकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने तथा अनुसूचित जाति समाज के हितों और समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाने की बात कही।

युवा प्रदेश समाचार पत्र की ओर से
गया प्रसाद अहिरवार जी को हार्दिक बधाई
एवं उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं।

यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी भोपाल के कलाकार द्वारा नाटक सदगति की रिहर्सल नए बच्चों के साथ मायाराम सुरजन स्मृति भवन पी एंड टी चौराहा मे हो रही है नाटक के लेखक - मुंशी प्रेमचंद और निर्देशन - रवीन्द्र मोरे का है रवीन्द्र मोरे द्वारा नाटक की बड़ी क्यों से कलाकारों को प्रशिक्षित किया जा रहा है यह नाटक 23 9 2026 को शाम 6:30 बजे खेला जाएगा

बिस गुरु के लांण्ड्री मा,
कतको के पाप धोवाइस हे।
ओकर विधायक गांजा बेचत,
अब रंगे हाथ पकड़ाइस हे।।
हिन्दू रास्ट्र बनइया मन हा,
रामराज ला अइसने लाही।
अंधभक्त मन पीके झूमही,
सासक मन मजा उड़ाही।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाना पड़ा भारी

जोन क्रमांक 4 में 6 लोगों पर की गई स्पॉट फाइन की कार्रवाई, 1100 रुपये वसूले

कटनी /नगर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नगर पालिक निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 4 दुर्गा चौक खिरहनी मुख्य मार्ग के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वाले 6 लोगों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई।

निगम के स्वच्छता अमले द्वारा मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संबंधितों से कुल 1100 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाएं तथा निर्धारित स्थान पर ही कचरे का निष्पादन करें। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

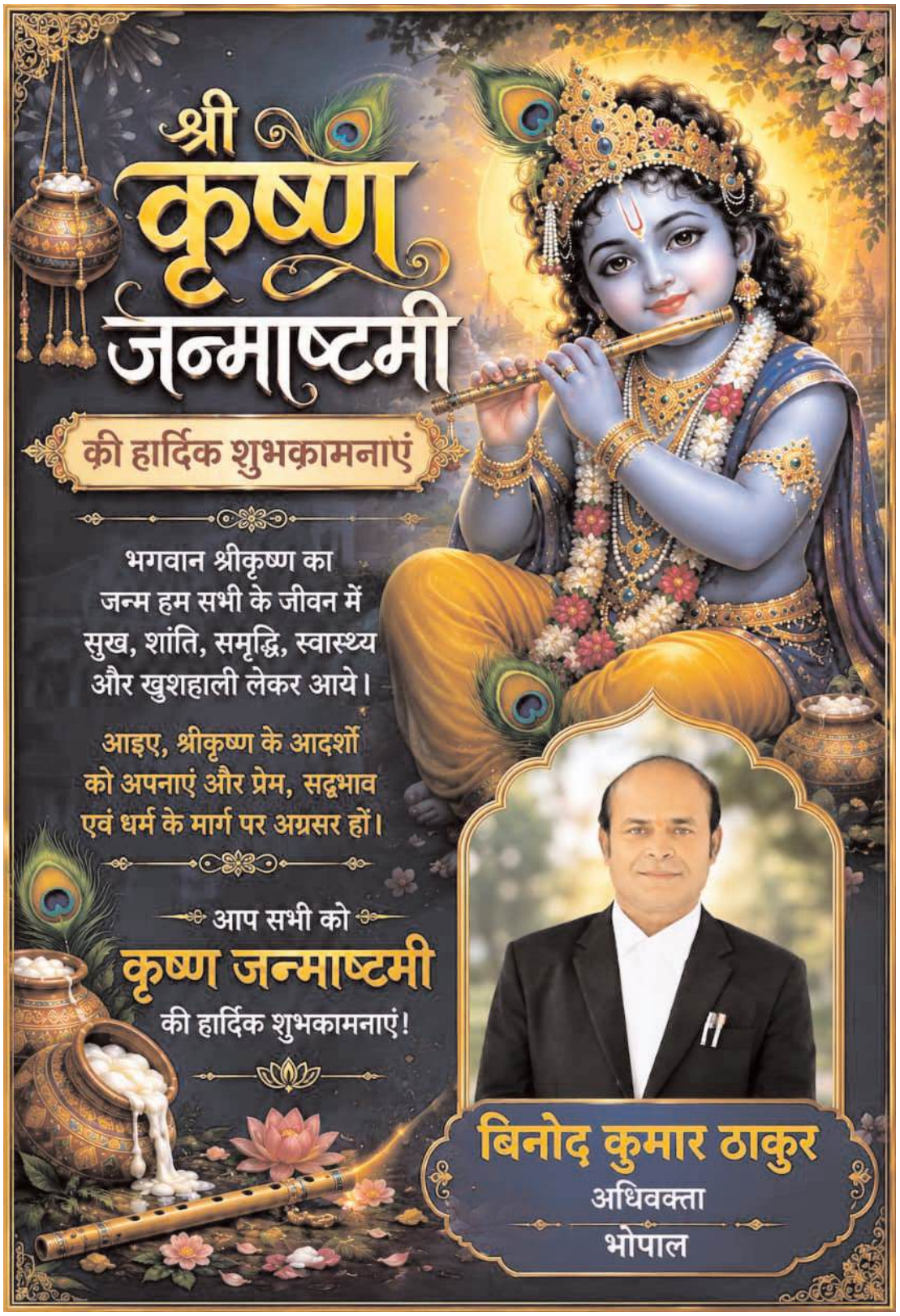

संकट की घड़ी में पूरी सरकार है बाढ़ पीड़ितों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण, किया नुकसान का मुआयना

अधिकारियों को 3 दिन तक चित्रकूट में ही रहकर राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने आश्रय स्थल जाकर बाढ़ प्रभावितों को दिए वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन मुखार विन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत

सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरो में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रूककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बांदा के बबेरू से आए श्रद्धालु श्री राजू सिंह से बात की। श्री राजू ने बताया कि वे 20 लोगों के साथ कामतानाथ स्वामी के दर्शन करने आए थे। बाढ़ का पानी होने से वे सब अपने घर वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल पर प्रशासन द्वारा उन सभी के लिए भोजन, पानी, नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की।

जल भराव वाले क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री रामफल गर्ग और श्री किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार श्री कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और उनकी दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है और सभी प्रभावितों को नियमानुसार हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी प्रभावित परिवारों को हर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तत्परता, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ सभी प्रभावितों को राहत सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कोई भी कमी न रहे।

इस अवसर पर चित्रकूट के विधायक श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार, नगर परिषद की अध्यक्षा सुश्री साधना पटेल, श्री प्रबल श्रीवास्तव, कमिश्नर रीवा संभाग श्री शीलेन्द्र सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं जिलाधिकारी उपस्थित थे।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने किया ऐलान...

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कहा कि जुझौतिखण्ड गढकुंडार नरेश महाराजा खेतसिंह खंगार जूदेव जी को वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि महाराजा खंगार की प्रतिमा लखनऊ की प्रतिष्ठित जगह पर लगाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गोमती नदी के किनारे हम महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जाति जनगणना हो और खंगार समाज को सम्मान मिले । उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार आती है तो वो 3 महीने में जाति जनगणना करवाएंगे और उन्हें सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि अर्कवंशी , खंगार समाज के लोग धोखा खाए हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि झांसी में जब वो प्रतिमा लगाने के लिए गए तब लोगों ने कहा पहली बार हेलीकॉप्टर आया है। उन्होंने कहा कि झांसी की उस रैली में बड़ी संख्या में लोग आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने पर अर्कवंशी खंगार समाज के लोग लाल बत्ती लगा कर अपने घर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगाई लेकिन वो भ्रष्टाचार से बनी थी और टूट गई।

12 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी, 50 हजार छात्रों से संवाद की तैयारी

'छात्रों की गूंज' में शिक्षा-रोजगार के मुद्दों पर फोकस

आसपास के क्षेत्रों से छात्रों को लाने की तैयारी

इंदौर।

कांग्रेस 12 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए युवाओं के बीच बड़ा संवाद करने की तैयारी में है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कार्यक्रम में छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। कांग्रेस ने इंदौर और आसपास के क्षेत्रों से करीब 50 हजार छात्रों को कार्यक्रम में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। शिक्षा, रोजगार, प्रश्नपत्र लीक और सरकारी भर्ती में अनियमितता जैसे मुद्दे कार्यक्रम में प्रमुखता से उठाए जाएंगे।

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि राहुल गांधी छात्रों और युवाओं से बातचीत करेंगे तथा शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस संगठन स्तर पर तैयारियों में जुट गई है। आसपास के

क्षेत्रों से छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी संपर्क किया जा रहा है।

:: शिक्षा-रोजगार के सवालों पर सरकार को घेरने की तैयारी ::

कांग्रेस ने छात्रों और युवाओं के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया है। इसके तहत देश के विभिन्न शैक्षणिक केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी इस अभियान के जरिए प्रश्नपत्र लीक, महंगी शिक्षा, सरकारी भर्तियों में अनियमितता और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठा रही है।

इंदौर के कार्यक्रम में भी इन्हीं मुद्दों को केंद्र में रखने की तैयारी है। बड़ी संख्या में छात्रों को एक मंच पर लाकर शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों पर सीधे संवाद के जरिए कांग्रेस युवाओं के बीच अपनी बात रखने की कोशिश करेगी।

:: आसपास के क्षेत्रों से भी आएंगे छात्र ::

करीब 50 हजार छात्रों की प्रस्तावित भागीदारी को देखते हुए कांग्रेस इंदौर के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी संपर्क कर रही है। स्थानीय संगठन और कार्यकर्ताओं के माध्यम से छात्रों को कार्यक्रम से जोड़ने की जिम्मेदारी संभाली जा रही है।

स्थानांतरण आदेशों की उड़ रही धज्जियां!

24 अगस्त को भोपाल से दतिया हुआ था सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनीष द्विवेदी का तबादला

भोपाल।

मध्य प्रदेश में शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेशों का पालन कितना गंभीरता से हो रहा है, इसका एक उदाहरण आबकारी विभाग में सामने आया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनीष द्विवेदी का स्थानांतरण भोपाल से दतिया किया गया था, लेकिन आदेश जारी होने के बाद भी वे कथित तौर पर आज तक दतिया में कार्यभार ग्रहण करने नहीं पहुंचे हैं।

जानकारी के अनुसार 24 अगस्त 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि मनीष द्विवेदी को भोपाल की जिम्मेदारी से भारमुक्त किया जाए और वे दतिया में अपनी नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करें। सवाल यह है कि यदि आदेश इतना स्पष्ट है तो फिर इसका पालन अब तक क्यों नहीं हुआ?

झीलों की नगरी से इतना मोह क्यों

भोपाल में आखिर ऐसा क्या है, जो स्थानांतरण के बाद भी कुछ अधिकारी इस जिले को छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिखाई देते? क्या भोपाल की जिम्मेदारी इतनी महत्वपूर्ण है कि शासन के आदेश भी पीछे छूट जाएं? या फिर स्थानांतरण आदेश को रुकवाने के लिए अंदरखाने प्रयास किए जा रहे हैं?

स्थानांतरण रुकवाने का भरकस प्रयास

सूत्रों की माने तो मनीष द्विवेदी अब तक भोपाल में ही जमे हुए हैं और अपने स्थानांतरण को रुकवाने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। यदि यह स्थिति सही है तो सवाल केवल एक अधिकारी के स्थानांतरण का नहीं, बल्कि शासन की प्रशासनिक व्यवस्था और उसके आदेशों की प्रभावशीलता का भी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन अपने ही जारी आदेश का पालन करवाने में सक्षम नहीं है? यदि एक अधिकारी स्थानांतरण आदेश के बाद भी पुराने जिले में बना रहता है तो आम कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच शासन के आदेशों को लेकर क्या संदेश जाएगा?

आबकारी आयुक्त इस मामले को कैसे देखते हैं

अब निगाहें आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और आबकारी आयुक्त पर भी टिकी हैं। वे इस पूरे मामले को किस नजरिए से देखते हैं और स्थानांतरण आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए क्या कदम उठाते हैं, यह आने वाला समय बताएगा।

हालांकि विभागीय गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि वरिष्ठ अधिकारियों की नजर अब इस पूरे मामले पर पड़ चुकी है। ऐसे में शासन के आदेशों की अनदेखी का आरोप यदि सही पाया जाता है तो सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनीष द्विवेदी के लिए यह मामला आगे चलकर भारी भी पड़ सकता है।

शासन के आदेशों की अनदेखी

हालांकि विभागीय गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि वरिष्ठ अधिकारियों की नजर अब इस पूरे मामले पर पड़ चुकी है। ऐसे में शासन के आदेशों की अनदेखी का आरोप यदि सही पाया जाता है तो सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनीष द्विवेदी के लिए यह मामला आगे चलकर भारी भी पड़ सकता है।

अब सवाल सिर्फ इतना है—स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद दतिया में ज्वाइनिंग क्यों नहीं हुई और भोपाल में बने रहने की आखिर वजह क्या है?

भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस में हुई चोरी के मामले में कटनी से जुड़ा पहलू

कटनी:

भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 18235) में कटनी रेलवे स्टेशन से सवार हुई एक महिला यात्री का जेवर और नकदी से भरा पर्स चोरी होने का मामला सामने आया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नींद लगते ही कटनी के आगे पार हुआ सामान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के दयालबंद क्षेत्र की निवासी अंजना विश्वकर्मा 31 अगस्त को अपने परिवार के साथ कटनी स्टेशन से भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस में सवार हुई थीं। यात्रा के दौरान कटनी से रवाना होने के बाद बेलगहना स्टेशन के पास उनकी आंख लग गई। जब बिलासपुर पहुंचने से पहले उनकी नींद खुली, तो उनके पास रखा लेडीज पर्स गायब था।

बरामद सामान और आरोपी की गिरफ्तारी

पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद जीआरपी बिलासपुर और आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई की। जांच के दौरान बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कटनी से आ रही ट्रेन में चोरी की बात कबूल की।

* आरोपी की पहचान- शिवा नामदेव उर्फ अनु (निवासी- वार्ड नंबर 11, झिरिया मोहल्ला, उमरिया, मध्य प्रदेश)

* बरामदगी- सोने का मंगलसूत्र, चांदी का कड़ा, अंगूठी, चांदी का सिक्का, मोबाइल, एटीएम कार्ड, पहचान पत्र और 2,200 रुपये नकद।

* कुल जब्त सामान की कीमत- लगभग 90,000 रुपये।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जीआरपी ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान, विशेषकर कटनी और बिलासपुर के बीच रात्रिकालीन सफर में अपने सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें।

राजस्व अधिकारी श्री पाठक ने राजस्व वसूली की प्रगति की, की समीक्षा

संपत्ति कर एवं जलकर वसूली में तेजी लाने के साथ बकायादारों से प्रभावी संपर्क के दिए निर्देश

कटनी /

नगर पालिक निगम कटनी में राजस्व वसूली कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रभारी निगमायुक्त श्रीमती हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर मंगलवार शाम राजस्व अधिकारी श्री जागेश्वर प्रसाद पाठक द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक मौजूद रहे। बैठक में राजस्व अधिकारी श्री पाठक द्वारा निगम के प्रमुख राजस्व स्त्रोत संपत्ति कर एवं जलकर वसूली की वर्तमान प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु वसूली बढ़ाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश वसूली अमले के अधिकारी कर्मचारियों को दिए।

समीक्षा के दौरान संपत्ति कर एवं जलकर के बकायेदार उपभोक्ताओं से वसूली की स्थिति, लंबित मांग तथा वसूली में आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई। राजस्व अधिकारी श्री पाठक ने निर्देशित किया कि जलकर राहत योजना निगम के बड़े जलकर उपभोक्ताओं को बकाया राशि में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करने तथा निगम की वर्षों से लंबित देनदारी को वसूलने के उद्देश्य से सीमित समय के लिए लागू की गई है। अतः योजना के मूल उद्देश्य को साकार करने बकायेदारों से नियमित संपर्क कर उन्हें समय पर कर एवं जलकर जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए तथा वसूली कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस दौरान वसूली की प्रगति की वार्डवार समीक्षा करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले कर्मचारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को ध्यान में रखते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं वसूली सुनिश्चित करने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही नागरिकों तक बिल समय पर पहुंचाने, जी.आई.एस. नोटिस की तामीली तथा भवन सर्वे एवं सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई, ताकि निगम की राजस्व मांग को अद्यतन रखते हुए वसूली कार्य को बेहतर बनाया जा सके।राजस्व अधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन भवन स्वामियों को बिल तामील किए जा चुके हैं उन्हें डिमांड नोटिस भी जारी करें तथा जिन दुकानदारों के लंबे समय से राशि बकाया है उन दुकानों के बिल जारी कर, समय पर किराया जमा नहीं करने पर तालाबंदी की कार्रवाई प्रस्तावित की जाए।

1,500 रूपये की सहायता से आगे: लाड़ली बहनों के आत्मनिर्भर भविष्य के लिए रोजगार कब?

मध्यप्रदेश में लंबे समय से महिलाओं के सशक्तिकरण की बात होती रही है, लेकिन एक गंभीर और चिंताजनक सवाल आज भी हमारे सामने ज्यों का त्यों बना हुआ है क्या केवल 1500 रूपये की आर्थिक सहायता से महिला वास्तव में आत्मनिर्भर हो सकती है? मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रूपये आर्थिक सहायता दी जा रही है। निश्चित रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह राशि राहत का माध्यम है, लेकिन बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ती घरेलू जरूरतों के बीच एक गंभीर सवाल उठता है कि क्या 1,500 रुपये प्रतिमाह वास्तव में महिला और उसके परिवार की आर्थिक सुरक्षा के लिए पर्याप्त है? 1,500 रुपये प्रतिमाह अर्थात लगभग 50 रुपये प्रतिदिन। आज की महंगाई के दौर में इतनी कम राशि से भोजन, दवा, बच्चों की पढ़ाई, आवागमन और अन्य घरेलू जरूरतों को लंबे समय तक पूरा करना कठिन है। इसलिए सहायता राशि तत्काल राहत तो दे सकती है, लेकिन यह महिला को स्थायी आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने का पर्याप्त माध्यम नहीं बन सकती। यहीं से महिला सशक्तिकरण का वास्तविक गंभीर प्रश्न शुरू होता है। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल उसके खाते में आर्थिक सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि उसके हाथ में कमाने का अवसर देना भी होना चाहिए। सहायता जरूरी हो सकती है, लेकिन आत्मनिर्भरता के लिए रोजगार और नियमित आय अधिक महत्वपूर्ण है। यदि सरकार प्रत्येक पात्र परिवार से कम-से-कम एक महिला को उसकी योग्यता और क्षमता के अनुसार कुशल, अर्द्धकुशल या अकुशल रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था करे और कम-से-कम 5,000 रूपये प्रतिमाह की आय सुनिश्चित करने की दिशा में काम करे, तो इसका सीधा लाभ महिला और पूरे परिवार को मिल सकता है। इससे महिला केवल सरकारी योजना की लाभार्थी नहीं रहेगी बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था में सक्रिय योगदान देने वाली सदस्य बनेगी। यह अंतर केवल 1,500 रुपये और 5,000 रुपये का नहीं है। 1,500 रुपये राहत दे सकता है, लेकिन 5,000 रुपये की नियमित आय आत्मनिर्भरता की नींव रख सकती है। रोजगार मिलने से महिला की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, उसके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और परिवार में आर्थिक निर्णयों में उसकी भागीदारी भी बढ़ेगी। इसके साथ वह अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों में अधिक मजबूती से भूमिका निभा सकेगी। इसलिए सवाल यह नहीं है कि महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाए या नहीं। सवाल यह है कि सहायता के

साथ उन्हें स्थायी आय का रास्ता भी क्यों नहीं दिया जा रहा। सरकार महिला-केंद्रित रोजगार नीति को मौजूदा योजनाओं से जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित कर सकती है, जिसमें महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हों। स्थानीय स्तर पर पंचायतों, सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वयं सहायता समूहों, लघु उद्योगों तथा अन्य रोजगारपरक गतिविधियों से महिलाओं को जोड़ा जा सकता है। कौशल विकास के साथ रोजगार की वास्तविक उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तो सहायता आधारित व्यवस्था को धीरे-धीरे आत्मनिर्भरता आधारित व्यवस्था में बदला जा सकता है। महिला को वर्षों तक केवल लाभार्थी बनाए रखना सशक्तिकरण की अंतिम मंजिल नहीं हो सकती। वास्तविक सशक्तिकरण तब होगा..जब महिला के पास अपनी नियमित आय, अपने श्रम की पहचान और अपने भविष्य को लेकर निर्णय लेने की आर्थिक क्षमता हो। यह विषय केवल लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाने या घटाने का विषय नहीं है। यह मध्यप्रदेश की महिलाओं के भविष्य, सम्मान, श्रम और आर्थिक स्वतंत्रता से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि महिलाओं को केवल सहायता राशि पर निर्भर रखने के बजाय ऐसी व्यवस्था कैसे विकसित की जाए, जिसमें जरूरतमंद परिवार की कम-से-कम एक महिला को उसकी योग्यता के अनुरूप रोजगार और नियमित आय का अवसर मिल सके। इस विषय पर हमारी लाड़ली बहनों को भी गंभीरता से चिंतन करना चाहिए। हमें स्वयं से पूछना होगा कि क्या हम केवल हर महीने मिलने वाली सहायता राशि तक सीमित रहना चाहते हैं या ऐसी व्यवस्था की मांग करना चाहते हैं, जिसमें हमारे हाथ में स्थायी रोजगार, नियमित आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता हो? सरकार से आग्रह है कि लाडली बहनों को केवल लाभार्थी न बनाएं, बल्कि उन्हें अवसर प्रदान करें। उन्हें केवल सहायता भर न दें, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता का रास्ता दें। 1,500 रूपये की राहत से आगे बढ़कर कम-से-कम 5,000 रुपये की सम्मानजनक नियमित आय का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस नीति बनाई जाए। क्योंकि वास्तविक महिला सशक्तिकरण तब होगा, जब महिला के खाते में केवल सहायता राशि नहीं, बल्कि उसके श्रम और मेहनत की कमाई भी आएगी। महिला को केवल सहारा नहीं, ऐसा अवसर चाहिए जिससे वह अपने पैरों पर खड़ी होकर अपने परिवार और समाज के भविष्य को मजबूत बना सके। हमारी लाड़ली बहनों 1,500 रूपये की सहायता तत्काल राहत दे सकती है लेकिन स्थायी रोजगार नियमित आय ही आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकता है। इसलिए सरकार से केवल सहायता राशि नहीं, बल्कि सम्मानजनक रोजगार, कौशल विकास और स्थायी आय के अवसर की मांग भी होनी चाहिए। आखिर हमारा भविष्य केवल सहायता पर निर्भर क्यों रहे? हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें हमारे हाथ में सहायता के साथ-साथ अपने श्रम की सम्मानजनक कमाई भी हो। यही वास्तविक महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा होगी।

कुमारी प्रियंका

[लेखिका- सामाजिक कार्यकर्ता-चिंतक]

स्वास्थ्य सलाह: बारिश के मौसम में बच्चों और बुजुर्गों का ऐसे रखें ख्याल

भोपाल। बारिश का मौसम सुहाना जरूर लगता है, लेकिन इस मौसम में बच्चों और बुजुर्गों को संक्रमण और बीमारियों का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। थोड़ी सी सावधानी से हम अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं।

बच्चों के लिए विशेष सावधानियां- 1. शुद्ध जल ही दें- बारिश में पानी दूषित हो जाता है। बच्चों को हमेशा उबालकर ठंडा किया हुआ पानी ही पिलाएं।

2. भीगने से बचाएं- स्कूल से भीगकर आने पर तुरंत कपड़े बदलवाएं और पैरों को अच्छी तरह सुखाएं, वरना सर्दी-खांसी और चर्म रोग हो सकते हैं।

3. बाहर के खाने से परहेज- खुले में बिकने वाले समोसे, पानी-पतासे और कटे फल इस मौसम में बीमारी का घर होते हैं। घर का ताजा और गर्म भोजन ही दें।

4. मच्छरों से सुरक्षा- डेंगू-मलेरिया से बचने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनाएं और मच्छरदानी का उपयोग करें। घर के आसपास पानी जमा न होने दें।

बुजुर्गों के लिए विशेष सावधानियां- 1. फिसलन से बचाव- यह सबसे बड़ा खतरा है। बाथरूम और फर्श पर एंटी-स्लिप मैट रखें। उन्हें फिसलन-रोधी चप्पल पहनने को कहें। 2. दवाइयों की उपलब्धता- बीपी, शुगर और अन्य जरूरी दवाइयों का स्टॉक पहले से रख लें ताकि बारिश में परेशानी न हो।

3. ठंड और सीलन से बचाएं- इस मौसम में जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। उन्हें गर्म और सूखे स्थान पर रखें। हल्के गर्म पानी से स्नान लाभदायक है।

4. पौष्टिक आहार- इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए हल्का सुपाच्य भोजन जैसे दाल, खिचड़ी, सूप और तुलसी-अदरक की चाय दें।

यदि किसी को 2 दिन से अधिक बुखार, दस्त या सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से संपर्क करें।

अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को अधिकारों से वंचित करने के आरोप में जनजाति कार्य विभाग के खिलाफ कार्यवाही होना चाहिए - डॉ अग्र

वर्ष 2016-17 से जून 2026 तक जो अधिकारी जनजाति कार्य विभाग जिला ग्वालियर में रहे हैं उनके खिलाफ कार्यवाही होना चाहिए जो निम्न अनुसार अधिकारी है -

1 - तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त ऊषा पाठक मूल पद जिला संयोजक अब सेवानिवृत्ति

2 - तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त हरी बाबू शर्मा मूल पद प्राचार्य अब सेवानिवृत्ति

3 - तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता मूल पद प्राचार्य अब प्रभारी सहायक आयुक्त जिला श्योपुर

4 - तत्कालीन प्रभारी सहायक आयुक्त राजेंद्र शर्मा मूल पद प्राचार्य मूल पदस्थापना परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर यह भी अक्टूबर 2026 में सेवानिवृत हो जाएंगे

तीनों की गंभीर शिकायतें है कुछ की जांच कमेटी भी बनी है जो जांच कमेटी आज तक रिपोर्ट नहीं दे पाई कार्यालय के वस्तुओं में धूल खा रही है

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कलेक्टर कमिश्नर आयुक्त जनजाति कार्य विभाग मध्य प्रदेश आयुक्त अनुसूचित जाति विभाग मध्य प्रदेश प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश जनजाति कार्य विभाग फिर भी कोई कार्यवाही नहीं होती है

आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा जानकारी मांगी है वर्ष 2018 से यही स्थिति 2016 है इसके लिए उपरोक्त अधिकारी दोषी है अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत इनके ऊपर अपराधिक प्रकरण पंजीयन होना चाहिए क्योंकि इन्होंने अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग को उनके अधिकारों से वंचित करते हुए अत्याचार अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों का उल्लंघन किया है

वर्ष 2018 से जानकारी दिए जाने तक की एक आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा जानकारी मांगी गई तो कार्यालय द्वारा पत्र पत्र क्रमांक 1798 दिनांक 19- 8 - 2026 द्वारा यह अवगत कराया गया है की कार्यालय में यह जानकारी उपलब्ध नहीं है तो उपरोक्त दोषी है उनके खिलाफ अपराध बनता है कार्यवाही होना चाहिए दलित आदिवासी महापंचायत मप्र के संस्थापक संरक्षक डॉ जवर सिंह अग्र के ने की है

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)